

ΤΗ Α΄ ΤΟΥ ΑΥΤΟΥ ΜΗΝΟΣ ΝΟΕΜΒΡΙΟΥ

Μνήμη τοῦ Ἁγίου καὶ ἐνδόξου Ἀποστόλου
Ἀνδρέου τοῦ Πρωτοκλήτου.

ΕΙΣ ΤΟΝ ΕΣΠΕΡΙΝΟΝ

Εἰς τό, Κύριε ἐκέκραξα, ἱστῶμεν Στίχους ς΄ καὶ φάλλομεν Στιχηρὰ
Προσόμοια τὰ παρόντα τρία, δευτεροῦντες αὐτά.

Ἦχος δ΄
Ὁ ἐξ ὑψίστου κληθεῖς

Ὁ τῷ Προ--δρό-----μου φω----τὶ με--μορ-φω--
μέ-----νος, ὅ-----τε τὸ ἀ---παύ---γα--σμα τὸ ἐ---νυ---
πό-----στα--τον, τῆς πα-----τρι----κῆς δό-----ξης ἔ-----φα--
-νεν, ἀν---θρώ--πων γέ-----νος, δι' εὐ---σπλα-γχνί---αν σῶ--
σαι βου---λό-----με---νος, τό-----τε πρῶ--τος Ἐν-----δο---
ξε, τού-----τω προ--σέ-----δρα-μες, κα--ταυ----γα----σθεῖς τὴν
δι-----ά-----νοι--αν, τε---λει-----ο----τά-----τη, μαρ---μα-----ρυ---
--γῇ αὐ--τοῦ τῆς θε-----ό-----τη--τος, ὅ-----θεν καὶ

κῆ-----ρυξ καὶ Ἀ----πό-----στο----λος, χρη----μα----τί-

ζεις Χρι-στοῦ τοῦ Θε-----οῦ ἡ-----μῶν, ὃν ἰ-----κέ---

-τευ-----ε σῶ-----σαι, καὶ φω----τί-----σαι τὰς φυ---

χὰς ἡ---μῶν.⁶_κ

Ὁ τῆς Προ---δρό-----μου φω----νῆς ἐ---νη---χη--

--μέ---νος, ὅ-----τε ὁ πα---νά---γι---ος Λό---γος σε-

-σάρ---χω---ται, ζω---ῆν ἡ-----μῶν πα-----ρε----χό-----με-

-νος, καὶ σω---τη---ρί-----αν, τοῖς ἐ-----πὶ γῆς εὐ---α---

-γγε---λι---ζό-----με-νος, τό-----τε----τού---τω Πάν---σο--

-φε, κα-----τη---κο---λού---θη---σας, καὶ σε----αυ----τὸν ἅ---

-χρο---θί---νι---ον, καὶ---πα---να---γί---αν, ὡς ἅ-----παρ--

-χῆν αὐ-τῷ κα-θι-----έ-----ρω---σας, ὃν καὶ ἐ---

πέγ-----νωσ καὶ ἐ-----μή-----νυ---σας, τῷ συ---γγό---

νω τῷ σῷ τὸν Θε-----ὸν ἡ-----μῶν, ὃν ἰ-----κέ---

τευ-----ε σῷ-----σαι, καὶ φω---τί-----σαι τὰς ψυ---

χὰς ἡ-----μῶν.

Ὁ τῷ ἐκ στεῖ-----ρας βλα--στή---σα---ντι φοι-

τή-----σας, ὅ-----τε ὁ Παρ-θέ-----νι----ος τό-----κος ἅ-

νέ-----τει---λε, τῆς εὐ-----σε-----βεί-----ας Δι-----δά---σκα-

λος, καὶ σω---φρο---σύ---νης, ὑ-----πο-----δει--χνύ---ων τὴν

κα-----θα-----ρό-----τη---τα, τό-----τε σὺ θερ-μό-----τα--

τος, τῆς ἁ-----ρε--τῆς ἐ-----ρα---στής, Ἀν-δρέ-----α μά---

καρ γε-----γέ-----νη---σαι, τὰς ἁ-----να--βά---σεις, ἐν σῇ

καρ-----δί-----α δι-----α-----τι-----θέ-----με--νος, καὶ ἅ---


 -πὸ δό-----ξης πρὸς τὴν ἄ-----φρα--στον, ἡρ----θης

δό----ξαν Χρι-στοῦ τοῦ Θε----οῦ ἡ----μῶν, ὃν ἰ----

-χέ-----τευ-----ε σῶ-----σαι, καὶ φῶ----τί-----σαι τὰς






ψυ--χὰς ἡ---μῶν.

Δόξα... Ἦχος δ' Ἀνατολίου

Δόξα Πατρι καὶ

Υἱῶ καὶ Ἀ

γίω Πνεύμα

τι.

Δόξα Πατρι καὶ

Υἱῶ καὶ Ἀγίω Πνεύ

ματι.

Τὴν τῶν ἁγίων

ταλιπῶν Ἀπόστο

λῃ, ἁνθρώπους σαγγενύ

.....εις, κα---λά-----μω τοῦ κη---ρύ---

.....γμα-----τος, χα-----λῶν

ὥ-----σπερ ᾠ-----γκι-----στρον, τῆς εὐ-----σε----βεί---

---ας τὸ δέ-----λε-----αρ,

καὶ ᾠ-----νά-----γων ἐκ τοῦ---βυ-----

-θοῦ τῆς πλά-----νης, τὰ ἔ-----θνη

ᾠ-----πα-----ντα, Ἄν-----

-δρέ-----α Ἄ-----πό-----στο-----

-λε, τοῦ ---Κο---ρυ---φάι-----ου ὁ

μαί-----μων, καὶ τῆς οἰ-----κου--

-μέ-----νης ὑ-----φη-----γη---τὰ δι-----

---α---πρύ-----σι-----ε, πρε---σβεύ--

ων μὴ ἐλ-λί-πης ὁ-πέρ ἡ-μῶν, τῶν

ἐν πί-στει καὶ πό-θῳ εὐ-φρ-

-μού-ντων πα-νεύ-

φρ-με, τὴν ἁ-ει-σέ-

-βα-στον μνή-μην σου.

Καὶ νῦν... Ἦχος ὁ αὐτὸς

Καὶ νῦν καὶ

ἁ-ει- καὶ εἰς τοὺς αἰ-ῶ-

-νας τῶν αἰ-ῶ

νων. Ἀ-μήν.

Ἡ-σα-ῖ-α

χό-

.....ρευ-----ε,

.....^{π_q}.....
.....λό-----

.....^{A_λ}.....
.....γον.....θε-----οũ

.....^{π_q}.....
.....λε.....--οũ

.....
.....--οũ

.....^{π_q}.....
.....ύ----πό-----

.....^{π_q}.....
.....δε-----ξαι,.....προ--

.....
.....φή-----τευ-----

.....^{π_κ}.....^{A_λ}.....
.....σον.....τῆ.....χό-----ρη

.....
.....Μα-----ρι-----

.....^{π_q}.....
.....

.....^{A_λ}.....
.....λι-----Μα-----ρι-----ά(μ),--

..... $\mu\epsilon$

..... $\acute{\alpha}(\mu)$ $\gamma\acute{\alpha}$ Ma

..... $\rho\iota$ $\acute{\alpha}\mu,$ $\beta\tilde{\alpha}$

..... π_q $\tau\omicron\nu$ $\kappa\alpha$ $\tau\alpha$ $\phi\lambda\acute{\epsilon}$

..... $\mu\epsilon$

..... $\gamma\epsilon$ $\kappa\alpha$ $\tau\alpha$ $\phi\lambda\acute{\epsilon}$

..... π $\gamma\epsilon$ $\sigma\theta\alpha\iota,$ $\kappa\alpha\iota$ $\pi\upsilon$ $\rho\iota$ $\mu\grave{\eta}$

..... $\kappa\alpha\iota$ ϵ $\sigma\theta\alpha\iota,$ $\tau\tilde{\eta}$

..... $\alpha\acute{\iota}$ $\gamma\lambda\eta$ $\tau\tilde{\eta}\varsigma$ $\theta\epsilon$ $\acute{o}$

..... $\tau\eta$

..... π_q $\tau\omicron\varsigma,$ $\text{B}\eta$ $\theta\lambda\epsilon$ $\acute{\epsilon}(\mu)$

..... $\mu\acute{\epsilon}$

ἔ(μ) εὐ---τρε---πί---

ζου, ᾠ

νοί---γε ᾠ πύ---λην

ἦ

Ἐ--- ἦ Ἐ---δὲμ καὶ Μά---

γοί πο---ρεύ---

ε πο---ρεύ---ε---σθε, ἰ---

--δεῖν ᾠ τήν σω---

τη---ρί---αν,

ᾠ ἐν φά---

την ᾠ σπαρ---γα---νού---με---νον,

ὅν ἄ-----στῆ(ρ)-

ἡ

ῥομή

σευ,

ἔ-----πα-----νω

τοῦ

σπη-----λαί-----ου, ζω-----ο-----

-δό-----την Κύ-----

ρι-----ον,

τὸν σὺ-----ζο-----ντα

τὸ γέ-----νος

ἡ-----μῶν.

Καὶ νῦν... Ἦχος ὁ αὐτὸς

Καὶ νῦν καὶ ἄ-----εἰ

καὶ εἰς τοὺς αἰ-----ῶ-----νας τῶν αἰ-----ώ

νων. Ἀ-----μήν.<sup>π
q</sup>

Ἡ-----σα-----ῖ-----α χό-----ρευ-----ε, λό-----

-γον Θε-----οῦ ὕ-----πό-----

-----δε-----ξαι,<sup>π
q</sup> προ-----φή-----τευ-----σον τῇ

κό-----ρη Μα-----ρι-----άμ,<sup>π
q</sup> βᾱ-----τον

κα-----τα-----φλέ-----γε-----σθαι, καὶ πυ-----ρὶ μὴ καί---

-----ε-----σθαι,^q τῇ αἴ-----γλη τῆς θε-----ό-----

τη...τος, Βη...θλε...

ἐμ εὐ...τρε...πί...ζου,

ἄ...νοι...γε πύ...λην ἡ

Ἐ...δὲμ καὶ Μά...γοι πο...ρεύ...ε...σθε,

ἰ...δεῖν τὴν σω...τη...ρί...

αν, ἐν φά...τνη σπαρ...γα...νού...

με...νον, ὃν Ἀ...στήρ ἐ...μή...

νυ...σεν, ἐ...πά...νω τοῦ σπη...λαί...

ου, ζω...ο...δό...την Κύ...ρι...ον,

τὸν σώ...ζο...ντα τὸ γέ...νος

ἡ...μῶν.

Εἰς τὴν Λιτὴν, Στιχηρὰ ἰδιομελᾶ.

ᾠδὴ α'

Ἀνδρέου Ἱεροσολυμίτου

Ὁ Πρωτόκλητος Μαθητής, καὶ μιμη-

τής τοῦ πά-^πθους, συμμορφούμε-

-νός σοι Κύριε,^ρ Ἀνδρέας ὁ

Ἀπόστολος, τοὺς ἐν

βυθῶ τῆς ἀγνοίας πλανωμένους

ποτέ,^π τῷ ἀγρίστρω τοῦ Σταυροῦ σου

ἀνελκύσας, προσή-

-γαγέ^π σοί, ταῖς πρεσβείαις αὐ-

-τοῦ Ὑπεράγαθε,^ρ τὴν ζωὴν ἡ-

μῶν εἰ-----ρή-----νευ-----σον, καὶ σῶ-----σον τὰς

ψυ-----χὰς ἡ-----μῶν.

-----μῶν.

Υ-----μνή-----σω-----μεν οἱ Πι-----

στοί, Πέ-----τροῦ τὸν σύγ-----γο-----νον, Ἀν-----δρέ-----αν τὸν

Χρι-----στοῦ μα-----θη-----

-----τήν, οὗτ-----ος γὰρ τὴν θά-----λασ-----σαν, διχ-----τύ-----

οις ἐ-----ρευ-----νή-----σας πο-----τέ, ἰχ-----

--θύ-----ας ἐ-----ζώ-----γρη-----σε,

νῦν δὲ τὴν οἰ-----κου-----μέ-----νην, τῷ κα-----λά-----

μῶ σα-----γη-----νεύ-----ει τοῦ Σταυ-----ροῦ, καὶ

τὰ ἔ-----θνη ἐκ πλά-----νης ἐ-----πι-----στρέ-----φει τῷ

Βα---πί-----σμα-----τι,^{π_q} καὶ Χρι---

---στῶ πα-----ρι---στά---με-----νος,^{π_q} αἰ-----τεῖ-----

-----ται^{π_q} τήν εἰ-----ρή-----νην τῷ

κό-----σμῳ,^{π_h} καὶ ταῖς φυ---χαῖς ἡ-----μῶν τὸ μέ-----

---γα ἔ-----λε-----ος.^{π_q}

Τὸ πῦρ τὸ νο-----ε-----ρὸν τὸ -- φω-----τί-----ζον δι---

-----α-----νοί-----ας, καὶ φλο--

---γί-----ζον ἁ-----μαρ-----τί-----ας,^{π_q} ἔν-----δον

λα---βὼν ἐν καρ-----δί-----α,^{π_h} ὁ Ἄ-----πό---στο-

---λος Χρι---στοῦ καὶ μα-----θη-----τής,^{π_q} λά---

μπειμὲν ταῖς μυ---στι---χαῖς ἁ-----χτί-----σι τῶν

δι-----δα-----χῶν,^{π_q} ἐν ταῖς τῶν ἐ-----θνῶν ἁ---

-----φω-----τί-----στοις καρ-----δί-----

-----αις, ^{π_q} φλέ-----γει ^σδέ

πά-----λιν, ^{π_q} τὰς φρυ-----γα-----νώ-----

-----δεις ^{η̇} τῶν ἁ-----σε-----βῶν ^σμυ--

^σθουρ-----γί-----ας, ^{π_q} τὸ πῦρ γὰρ τοῦ Πνεύ-

^σμα-----τος, τοι-----αύ-----την ἔ-----χει τήν ^{ε̇}--

-----νέρ-----γει-----αν, ^{π_q} ^Ω θαῦ-----

^σμα ξέ-----νον καὶ φο-----βε-----ρόν! ^{π_q}

^φῆ πη-----λώ-----δης γλῶσ-----σα, ῆ πη-----λί-----

-----νη φύ-----σις, ^{η̇} τὸ σῶ-----μα τὸ

χο-----ῖ-----χόν, ^{π_q} τήν νο-----ε-----

-----ράν καὶ ἅ-----ῶ-----λον ὕ-----πε-----δέ-----

-----ξα-----το γνῶ-----σιν, Ἀλλ' ὧ

μύ-----στα τῶν ἄρ-----ρή-----των, καὶ θε-----

-----ω-----ρὲ τῶν Οὐ-----ρα-----νί-----

-----ων, ἰ-----χέ-----τευ-----ε κα-----ταυ-----γα-----σθῆ-----ναι

τάς ψυ---χὰς ἡ-----μῶν.^{π_q}

Ἦχος πλ. δ' Ἄη Νη΄

Τὸν^ⲓ πο-----θού-----με-----νον Θε-----

-----όν, ἐν σαρ---χὶ κα-----τι-----δῶν^ⲁ

ἐ-----πὶ γῆς βα-----δί-----ζο-----ντα, θε-----ό-----

-----πτα Πρω-----τό-----κλη-----

-----τε,^{ν_ⲁ} τῷ μὲν ὁ-----μαί-----μο-----νι ἐ-----βό-----

-----ας ἁ-----γαλ-----λό-----

-----με-----νος, Εὐ-----ρή-----κα-----μεν ὧ Σί---

-----μων τὸν πο-----θού-----με-----νον,

τῷ δὲ Σω-----τή-----ρι δαυ-----ϊ-----τι-----χῶς

ἐ-----χραύ-----γα-----ζεις,

Ὅν τρό-----πον ἐ-----πι-----πο-----θεῖ ἡ

ἐ-----λα-----

-----φος ἐ-----πὶ τὰς πη-----γὰς τῶν

ὕ-----δά-----των, οὕ-----τως ἐ-----πι-----

-----πο-----θεῖ ἡ φυ-----χή μου πρὸς σὲ Χρι---

-----στὲ ὁ Θε-----ός,

Ὁ-----θεν καὶ πό-----θω

πό-----θον προ-----σθεῖς, δι-----ὰ σταυ-----ροῦ

δι-----α-----βαί-----νεις, πρὸς

ὃν ἐ-----πό-----θη-----

---σας, ὥς ἄ-----λη-----θής Μα---θη-----

--τής, καὶ σο-----φὸς μι-----μη-----τής γε-----

--νό-----με-----νος, τοῦ - δι-----ὰ

Σταυ-----ροῦ αὐ-----τοῦ πά-----

-----θους, δι-----ὸ καὶ τῆς δό-----

-----ξης

χοι-----νω-----νὸς γε-----νό-----

-----με-----νος,

χοι-----νω-----νὸς αὐ-----τῷ γε-----νό-----

-----με-----νος,

ἔ-----χτε-----νῶς ἰ-----κέ-----

α
-τευ-----ε, ὕ-----πέρ τῶν φυ-----χῶν

ἦ-----μῶν.

Δόξα... Ἦχος πλ. δ΄

Ἀνδρέου Ἱεροσολυμίτου οἱ δέ, Ἀνατολίου

Δό---ξα Πα-----τρί καὶ Υἱ-----ῶ

καὶ Ἀ---γί---ω Πνεύ-----μα-----

ν
--τι.

Τὸν κή---ρυ-----κα τῆς πί-----

Α
---στε-----ως, καὶ ὕ-----πη-----ρέ-----την

τοῦ Λό-----γου, Ἀν-----δρέ-----αν εὐ---φη---

ν
-----μή-----σω-----μεν,

οὗ-----τος γὰρ τοὺς ἄν-----θρώ-----πους, ἐκ τοῦ

βυ-----θοῦ ἄ-----λι-----εὐ-----ει, ἄ-----ντὶ

κα-----λά-----μου, τὸν Σταυ-----ρόν ἅ ἐν ταῖς χερ---

--σὶ δι-----α-----κρα-----τῶν, καὶ ὡς σπαρ-----τί-----ον χα---

-λῶν τὴν δύ-----να-----

-μιν, ἅ ἐ-----πα-----νά-----γει τὰς φυ-----χάς, ἅ---

-πὸ τῆς πλά-----νης τοῦ ἐχ-----θροῦ, καὶ προ-----σκο---

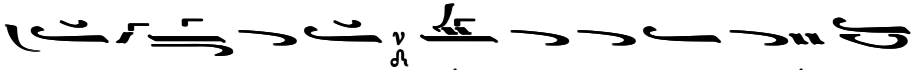
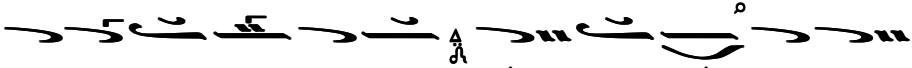
-μί-----ζει τῷ Θε-----ῳ δῶ-----ρον εὐ---

-πρό-----σδε-----χτον' Ἄ---

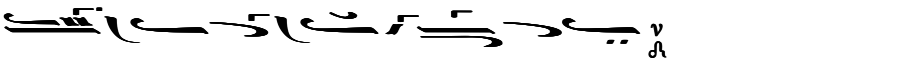
--εὶ τοῦ-----τον πι-----στοί, σὺν τῇ χο---

-ρεί-----α τῶν Μα-----θη-----τῶν τοῦ Χρι---

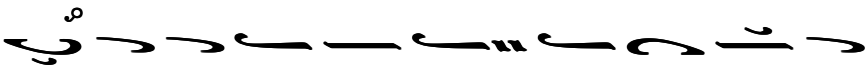
-----στοῦ εὐ-----φη-----μή-----

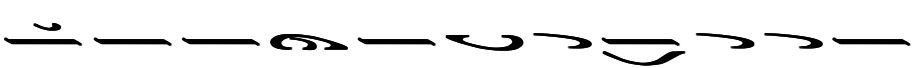

 ---σω-----μεν,^ν ἴ-----να πρε---σβεύ-----

 -----η αὐ-----τῷ,^α ὅ-----πως ἴ-----λε---

 ως γέ-----νη-----ται ἥ-----

 -μῖν,^α ἐν τῇ ἥ-----μέ-----ρα τῆς κρί-----

 -----σε-----ως.^ν

Εἰς τὸν Στίχον Στιχηρὰ Προσόμοια
 Ἦχος πλ. α' Χαίροις ἀσκητικῶν

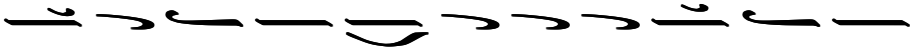
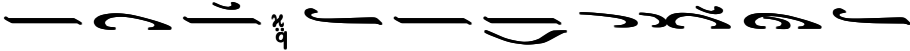

 Χαί---ροις ὁ λο-----γι-----χὸς οὐ-----ρα-----νός, δό---

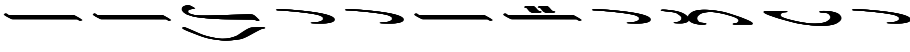
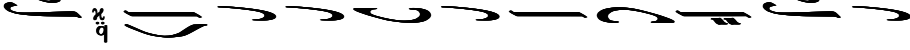
 --ξαν Θε-----οῦ δι-----α-----πα---ντὸς δι-----η-----γού---με---

 --νος, -ὁ πρῶ---τος Χρι-----στῷ κα---λοῦ-----ντι, κα---

 --θυ-----πα---κού---σας θερ---μῶς, καὶ ἁ-----μέ---σως τού---

 -----τω συγ---γε---νό-----με---νος, ὑφ' οὗ πυρ---σευ---

 --ό-----με---νος, κα---θω-----ρά-----θης φῶς δεύ---τε---


 -ρον, καὶ τοὺς ἐν σχό-----τει, ἀ-----στρα-παῖς σου ἐ-----

 --φώ-----τι-----σας, ἀ-----γα-----θό-----τη-----τα, τὴν αὐ-----

 --τοῦ ἐκ-----μι-----μού-----με-----νος, Ὅ-----θεν τὴν

 πα-----να-----γί-----αν σου, τε-----λοῦ-----μεν πα-----νή-----γυ-

 ---ριν, καὶ τῶν λει-----φά-----νων τὴν θή-----χην, πε--

 ---ρι-----χα-----ρῶς ἀ-----σπα-----ζό-----με--θα, ἐξ ἧς ἀ-----να--

 --βλύ-----ζεις, σω-----τη-----ρί-----αν τοῖς αἰ-----τοῦ-----

 --σι, καὶ μέ-----γα ἔ-----λε-----ος.

Στίχ. Εἰς πᾶσαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φθόγγος αὐτῶν καὶ εἰς
 τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης τὰ ῥήματα αὐτῶν.


 Πρῶ-----τον τῶν ὁ-----ρεκ-----τῶν εὐ-----ρη-----χῶς, δι'

 εὐ-----σπλαγ--χνί-----αν τὴν ἡ-----μῶν πε-----ρι-----χεί-----με--

[illegible]

Handwritten signature

— — — — — π_q — — — — —

— — — — —

— — — — —

— ٢٢٩ —

٢٠٩

— — — — —

١٢٣٤٥٦٧٨٩١٠١١١٢١٣١٤١٥١٦١٧١٨١٩٢٠٢١٢٢٢٣٢٤٢٥٢٦٢٧٢٨٢٩٣٠٣١٣٢٣٣٣٤٣٥٣٦٣٧٣٨٣٩٤٠٤١٤٢٤٣٤٤٤٥٤٦٤٧٤٨٤٩٥٠٥١٥٢٥٣٥٤٥٥٥٦٥٧٥٨٥٩٦٠٦١٦٢٦٣٦٤٦٥٦٦٦٧٦٨٦٩٧٠٧١٧٢٧٣٧٤٧٥٧٦٧٧٧٨٧٩٨٠٨١٨٢٨٣٨٤٨٥٨٦٨٧٨٨٨٩٩٠٩١٩٢٩٣٩٤٩٥٩٦٩٧٩٨٩٩١٠١١١٢١٣١٤١٥١٦١٧١٨١٩٢٠٢١٢٢٢٣٢٤٢٥٢٦٢٧٢٨٢٩٣٠٣١٣٢٣٣٣٤٣٥٣٦٣٧٣٨٣٩٤٠٤١٤٢٤٣٤٤٤٥٤٦٤٧٤٨٤٩٥٠٥١٥٢٥٣٥٤٥٥٥٦٥٧٥٨٥٩٦٠٦١٦٢٦٣٦٤٦٥٦٦٦٧٦٨٦٩٧٠٧١٧٢٧٣٧٤٧٥٧٦٧٧٧٨٧٩٨٠٨١٨٢٨٣٨٤٨٥٨٦٨٧٨٨٨٩٩٠٩١٩٢٩٣٩٤٩٥٩٦٩٧٩٨٩٩

— — — — —

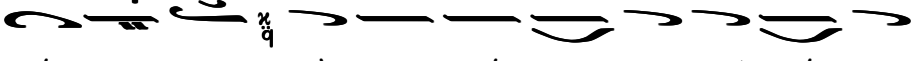
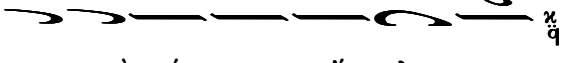
$\frac{1}{q} \left(\frac{1}{r_1} + \frac{1}{r_2} + \dots + \frac{1}{r_n} \right) = \frac{1}{r}$

١٢٣٤٥٦٧٨٩١٠

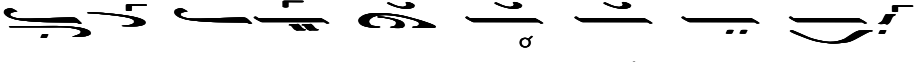
Στίχ. Οἱ οὐρανοὶ διηγοῦνται δόξαν Θεοῦ ποιήσιν δὲ
χειρῶν αὐτοῦ ἀναγγέλλει τὸ στερέωμα.

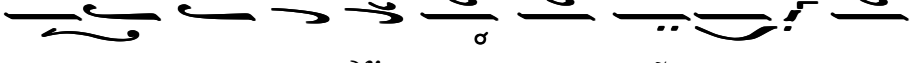
Ἦ-----θνη τὰ μὴ εἰ-----δό-----τα Θε-----όν, ὡς
ἐκ βυ-----θοῦ τῆς ἀ-----γνω-σί-----ας ἐ-----ζώ-γρη-
--σας, σα-----γή-----νη τῶν σῶν λο-----γί-----ων, καὶ
σὺν τα-----ράσ-σεις σα-φῶς, ἀλ-----μυ-ράς θα-λάσ-
-----σας, ἱπ-----πος ᾗ-----ρι-στος, ὁφ-θείς τοῦ Δε-
--σπό-ζο-ντος, τῆς θα-λάσ-σης ἀ-----οί-----δι-
--με, καὶ ση-----πε-----δό-----να, ἀ-θε-ῖ-----ας ἐ-
--ξή-----ρα-νας, ᾗ-----λας τί-----μι-----ον, ἐμ-----βα-
--λῶν τὴν σο-----φί-----αν σου, ἥν πέρ καὶ
κα-----τε-πλά-γη-σαν, Ἀ-----πό-στο-λε ἐν-----δο-


 -ξε, τῆς μω---ραν---θεί---σης σο---φί-----ας, οἱ

 ἁ-----ναι--- δῶς ἁ-----ντε---χό---με---νοι, Χρι---στόν μὴ εἰ---

 -δό-----τες, τὸν πα---ρέ---χο---ντα τῷ κό-----

 --σμῳ, τὸ μέ-----γα ἔ-----λε-----ος.

Δόξα... Ἦχος γ' Γερμανοῦ


 Δό---ξα λα

 Πα-----τρί

 ῖ καὶ

 Υἱ-----ῶ

 ῶ καὶ Ἀ-----

 -----γί-----ῳ Πνεύ-----

μα

λα Πνεύμα τι.

χι ρι

Τὸν συναί

μο να

Πέ λε

π^q του, καὶ Χριστοῦ μα

θη μαθητή(ν), ρή

ρ^q λε ή

ρ^q ήν των ἰχθύων(ν)

των ἰχθύων ἁγρευτήν,

καὶ ἁ-----λι-----

-----ἐ-----λέ-----

-----α τῶν ἄν-----

-----θρώ----- τῶν ἄν-----θρώ-----

-----πω(ν), ἰων σ ῆ ἐν ὕ(μ)-----

-----ῖ-----μνοις Τι-----μή-----

-----σω-----μεν,

π q Ἄν-----δρέ-----

-----Ἄν-----δρέ-----αν τὸν

Ἄ-----πό-----ο

-----στο----- τὸν Ἄ-----πό-----στο-----λο(ν), ἰον

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
τοῦ γάρ, ἰ-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
τὰ ἰοῦ σοῦ η-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
δι-----δά-----γμα-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
τὰ δι-----δάγ--μα-----τα, πά-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
ἰά-----ντας ἐ-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
ξε-----παί-----δευ-----σε

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
τοῖς δό-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
ῆ-----γμα-----τοῖς δόγ--μα-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
-----σι ἰ, καὶ ὥς

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
δέ-----λε---- καὶ ὥς δέ-----

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
λε-----αρ ἰ-----χθύ-----σι,

יְהוָה אֱלֹהֵינוּ יְהוָה יֶחֱזַק
ἰ τὰς σά(ρ)-----

.....λά(ρ).....χας τοῖς ἁ.....νό.....

..... τοῖς ἁ.....

.....νό.....μοις πα.....ρέ.....

.....πα.....ρέ.....δω.....χε,

.....καὶ τοῦ.....

.....καὶ τοῦ...τους ἐ.....

.....σα.....γή.....

.....νε(υ).....ἐ.....σα.....γή.....νευ.....σε(ν) ἡε(ν)

.....Αὐ.....τοῦ ἡοῦ

.....ταῖς ἡ.....χε.....σί.....

.....ἡί.....αις Χρι.....στέ,

.....λέ,

— — — — —

— — — — —

Χρι-----στέ,

— — — — —

πα-----ρά-----

— — — — —

-----λά-----σχου

— — — — —

τῷ λα-----ῳ σου

— — — — —

εἰ-----

— — — — —

-----ρή-----εἰ-----ρή-----

— — — — —

-----νη(ν), ἰη(ν) καὶ τὸ

— — — — —

μέ-----γα ἔ-----λέ-

— — — — —

ἔ-----λε-----

— — — — —

-----τὸ μέ---γα ἔ--

— וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

λε-----ο(ς).

νο(ς)

וְהָיָה

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

Δό---ξα

Πα-----τρὶ

καὶ Υἱ-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

-----ὦ καὶ

Ἄ---γί-----ω

Πνεύ-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

μα-----τι.

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

Τὸν συ---ναί---μο-----να

Πέ-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

---τρου, καὶ Χρι-----στοῦ

μα-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

---θη-----τήν,

τῶν

ἰ-----χθύ-----ων

ἀ-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

---γρευ-----τήν, καὶ

ἀ-----λι-----έ-----

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

---α

τῶν

ἀν-----θρώ-----πων,

π^q

וְהָיָה כִּי יִשְׁמַע יְהוָה

ἐν

ὑμ-----νοῖς Τι---μή---σω-----μεν,

Ἀν---δρέ-----αν

τὸν Ἀπόστολον, τοῦ - γάρ, Ἰη-

--σοῦ τὰ διδάγματα, πά-

-----ντας ἐξεπαίδευσε τοῖς δόγ-

-μα-----σι, καὶ ὥς δέλεαρ

ἰχθύ-----σι, τὰς σάρκας τοῖς

ἄ-----νόμοις παρέδωκε,

καὶ τούτους ἐσαγήνευ-----

----σεν' Αὐτοῦ ταῖς ἰκεσί-----

--αις Χριστέ, παράσχου τῷ

λαῶ σου εἰρήνην,

καὶ τὸ μέγα ἔ-----

-----λεος.

Καὶ νῦν καὶ ἅ-----εἰ καὶ εἰς τοὺς

αἰ-----ῶ-----νας τῶν αἰ-----ώ
νων.

Ἀ-----μήν.

Ἰ-----ω-----σήφ, εἰ-----πὲ ἡ-----μί-
ν,

πῶς ἐκ τῶν Ἀ-----γί-----

-----ων, ἥν πα-----ρέ-----λα-----βες

Κό-----ρην, ἔ-----γκυ-----ον φέ-----

-----ρεις ἐν Βη--θλε-----έμ; Ἐ-----γώ, φη-----σί,

τοὺς Προ-----φή-----τας ἐ-----ρευ-----νή-----

-----σας, καὶ χρη-----μα-----τι-----σθεῖς ὑ-----πὸ

Ἀ-----γγέ-----λου, πέ-----πει-----σμαι,

ὅ-----τι Θε-----όν

γεν-----νή-----σει, ἡ Μα-----ρί-----

-----α ἄ-----νερ-----μη-----

-----^π_q ----- οὖ ----- εἰς προ-----σχύ-----

-----^ν_q ----- Μά---γοι ἐξ Ἀ-----να-----το-----λῶν

ἡ-----ξου-----σι, ^π_q σὺν δώ-----ροις Τι-----μί-----

-----^π_q -----οις λα-----τρεύ-----ο-----ντες

Ὁ σαρ-----χω-----θεὶς δι' ἡ-----

-----μᾶς, Κύ-----ρι-----ε δό-----ξα

σοι.

Καὶ νῦν... Ἦχος ὁ αὐτὸς

Καὶ νῦν καὶ ἂ-----εἰ καὶ εἰς τοὺς αἰ-----

---ῶ---νας τῶν αἰ-----ώ νων. Ἀ---μήν.

Ἰ-----ω-----σήφ, εἰ-----πὲ ἡ-----μῖν, πῶς ἐκ τῶν

Ἀ-----γί-----ων, ἥν πα-----ρέ-----λα-----βες Κό--ρην,

ἐ-----γκυ-----ον φέ-----ρεις ἐν Βη---θλε---έμ; Ἐ-----γώ,

φη-----σί, τοὺς Προ---φή-----τας ἐ-----ρευ-----νή-----σας, καὶ

χρη---μα-----τι-----σθεῖς ὑ-----πὸ Ἀ-----γγέ-λου, πέ-----

--πει-----σμαι, ὅ-----τι Θε-----ὸν γεν-----νή---σει, ἡ

Μα---ρί-----α ἂ-----νερ-----μη-----νεύ-----τως·

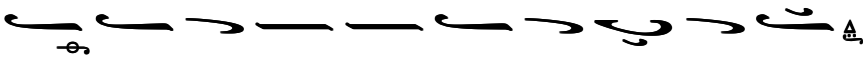
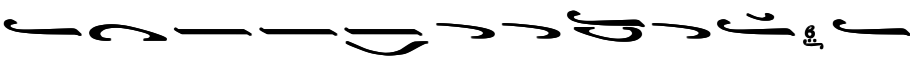
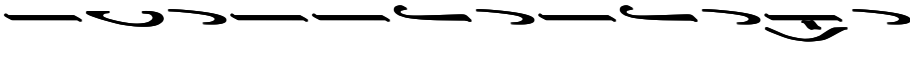
οὗ εἰς προ---σχύ---νη---σιν, Μά---γοι ἐξ Ἀ---

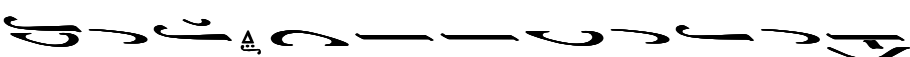
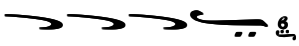
-να-----το-----λῶν ἡ-----ξου---σι, σὺν δώ-----ροις


 Τι-----μί-----οις λα--τρεύ-----ο-----ντες· Ὁ σαρ-----χω-----

 -θεὶς δι' ἡ-----μᾶς, Κύ-----ρι-----ε δό-----ξα σοι.


Ἀπολυτίκιον Ἦχος δ'


 Ὡς τῶν Ἀ-----πο-----στό-----λων Πρω-----τό-----κλη-----τος,

 καὶ τοῦ Κο-----ρυ-----φάι-----ου αὐ-----τά-----δελ-----φος, τὸν

 Δεσ-----πό-----την τῶν ὁ-----λων Ἀν-----δρέ-----α -ί-----κέ-----

 -τευ---ε, εἰ-----ρή-----νην τῇ οἰ-----κου---μέ-----νη δω--

 --ρή---σα---σθαι, καὶ ταῖς ψυ---χαῖς ἡ---μῶν τὸ μέ-----

 -γα ἔ-----λε-----ος.

ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΡΘΟΝ

Μετὰ τὴν α΄ Στιχολογίαν, Κάθισμα

Ἦχος α΄ Τὸν τάφον σου Σωτὴρ

Ὡς θεῖον Μαθητήν,

καὶ Πρωτόκλη-

τον πάντων, Χριστοῦ τῶν

Μαθητῶν,

εὐφρομένην σε

πόθω, Ἄνδρέα

Ἀποστολε, καὶ

πιστῶς ἐκβοῶ

μέν σοι Ὁ

ποίησόν σου, ἦν ἐκ Θε

-----οὐ ἐ-----πι-----στεύ-----

--θης, πά-----σης θλί-----ψε-----

--ως, καὶ ἄ-----να-----γκῶν καὶ

σχαν-----δά-----λων, καὶ πά-----σης

κα-----κώ-----σε-----ως.

Τὰς χεῖ^ρ-----ράς σου σε-----μνή,

νῦν ἐκ-----τεί-----να-----

-----σα οἶκ-----τω, βο-----ή-----θει-----

-----αν ἥ-----μῖν,

ἐξ Ἀ-----γί-----ου πα-----

--ρά-----σχοι, καὶ δί-----δου ἄ-----

--χίν-----δου-----νον, τὴν ζω-----

ἤν δι-----α-----νύ-----

-----σα-----σθαι, τοὺς δο-----

-----ξά-----ζο-----ντας, τὸν σὸν πα-----

-----νά-----γι-----ον Τό-----

-----χον, καὶ σὲ Δέ-----σποι-----

-----να, ἐ-----πι-----γρα-----φο-----μέ-----

-----νους Κό-----ρη, ἐλ-----πί-----δα

καὶ καύ-----χη-----μα.

Ὡς θεῖ-----ον Μα-----θη-----τήν, καὶ Πρω-----τό-----

-----κλη-----τον πά-----ντων, Χρι-----στοῦ τῶν Μα-----θη-----τῶν,

εὐ-----φη-----μοῦ-----μέν σε πό-----θῳ, Ἄν-----δρέ-----α

Ἄ-----πό-----στο-----λε, καὶ πι-----σιῶς ἐχ-----

βοῶ μέν σοι Ἰϋσαι ποίμνην

σου, ἣν ἐκ Θεοῦ ἐπιστεύθης, πάσης

θλίψεως, καὶ ἀναγκῶν καὶ σκανδά-

λων, καὶ πάσης κακώσεως.

Τὰς χειράς σου σεμνή, νῦν ἐκτεί-

-νασα οἶκτω, βοήθειαν ἡμῖν,

ἐξ Ἀγίου παράσχου, καὶ δίδου

ἀχίνον, τὴν ζωὴν δι-

-αλύσασθαι, τοὺς δοξάζο-

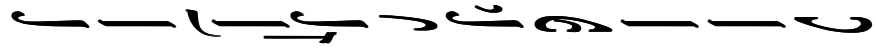
-ντας, τὸν σὸν πανάγιον Τόxon, καὶ σὲ

Δέσποινα, ἐπιγραφόμενους -Κό-

-ρη, ἐλπίδα καὶ καύχημα.

Μετὰ τὴν β' Στιχολογίαν, Κάθισμα

Ἦχος γ' Θείας πίστεως



Πρω̃τον εὖ-----ρέ σε, Χρι---στός μο-----λοῦ--



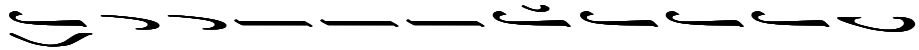
-ντα μύ-----στην ἄ-----ρι---στον, Ἄν---δρέ-----α μά---



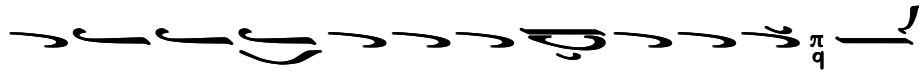
-καρ, καὶ τὰ προ---στάγ---μα-----τα αὐ-----τοῦ δι---



--α-----γγέλ-λο-----ντα, τῇ οἰ-----κου---μέ-----νη κα---



--θά-----περ ὑ-----πό---πτε---ρον, κα-----τα---φω---τί---



ζο-----ντα ἐ-----θνῶν τὰ συ---στή---μα-----τα' Αὐ---



-τόν ὡς Θε---ὸν παμ---μα---χά-----ρι---στε ἰ-----χέ---τευ---



--ε, δω-----ρή-----σα---σθαι ἡ---μῖν τὸ μέ-----γα ἔ-----



-----λε-----ος.

Θεί-----α γέ-----γο-----νας, σκη-----νή τοῦ Λό-----

-γου, μό-----νη πά-----να---γνε, Θε-----ο-----κυ-----ῃ-----

-τορ, ^ῥτῇ κα-----θα-----ρό-----τη-----τι Ἀ-----γγέ-----λους ὑ-----

-πε-----ρά-----ρα-----σα, ^πτὸν ὑ-----πέρ πά-----ντας ἐ-----

-μέ γοῦν γε-----νό-----με-----νον, ῥε-----ρυ-----πω-----μέ-----

-νον σαρ-----χός πλημ-με-----λή-----μα-----σιν, ^πἁ-----πο-----

χά-----θα-----ρον, ^ρπρε---σβει-----ῶν σου ἐν-----θέ-----οις νά-----μα-----

-σι, ^ρπα-----ρέ-----χου--σα σεμ---νή τὸ μέ-----γα ἔ-----

-----λε-----ος. ^ῥ

Μετὰ τὸν Πολυέλεον, Κάθισμα

Ἦχος πλ. α' Τὸν συνάναρχον Λόγον

Τὸν Ἀπόστολον πά-ντες ἀ-νευ-φη-μή-

-σω-μεν, ὡς αὐτό-πτην τοῦ Λό-γου καὶ θεῖ-

-ον κή-ρυ-κα, καὶ ἐ-θνῶν πνευ-μα-τι-κόν,

σα-γη-νευ-τήν ἀ-λη-θῶς, ὅ-τι προ-

-σῆ-γα-γεν ἡ-μᾶς, εἰς ἐ-πί-γνω-σιν Χρι-

-στοῦ, Ἀν-δρέ-ας ὁ θε-η-γό-ρος, καὶ νῦν

πρε-σβεύ-ει ἀ-δι-α-λεί-πτως, εἰς τὸ

σω-θῆ-ναι τὰς φυ-χὰς ἡ-μῶν.

Τῶν ἐν σοὶ τὰς ἐλ-πί-δας Παρ-θέ-νε ἄ-

-χρα-ντε, ἀ-νεν-δοι-ά-στως ἐ-χό-ντων

σχέ-----πη ὕ-----πάρ---χου-----σα, ἐκ ποι-----κί-----λων πει---

--ρα---σµῶν καὶ πε-----ρι-----στά---σε-----ων, καὶ κιν-----δύ---

-νων χα-----λε-----πῶν, ἐ-----λευ-----θέ-----ρω-----σον ἡ-----µᾶς, πρε--

--σβεύ--ου-----σα τῷ Υἱ-----ῶ σου, σὺν τοῖς αὐ-----
ῳ

--τοῦ Ἄ-----πο-----στό-----λοις, καὶ σῶ-----σον πά---ντας

τοὺς ἀ-----νυ---µνοῦ---ντάς σε.
ῳ

Εἰς πα̃σαν τὴν γῆν ἐξῆλθεν ὁ φθόγγος
αὐτῶν καὶ εἰς τὰ πέρατα τῆς οἰκουμένης
τῆς ῥήματα αὐτῶν.

Στίχ.

Οἱ οὐρανοὶ διηγούνται δόξαν Θεοῦ
ποίησιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἅνα γγέλει
τὸ στερέωμα.

Οἱ οὐρανοὶ διηγούνται δόξαν Θεοῦ
ποίησιν δὲ χειρῶν αὐτοῦ ἅνα γγέλει
τὸ στερέωμα.

Ὁ Κανὼν

Ὡδὴ α' Ἦχος α' τῆς Θεοτόκου Ὁ Εἰρμὸς

«Ὡ-----δὴν ἐ-----πι-----νί-----χι-----ον, ἄ-----σω-----μεν

πά-----ντες, Θε-----ῶ τῷ ποι-----ή-----σα-----ντι, θου-

μα-----στὰ τέ-----ρα-----τα, ^{π_q} βρα-----χί-----ο-----νι ὑ-----

φη-----λῶ, ^A καὶ σώ-----σα-----ντι τὸν Ἰσ-----ρα-----ήλ, ὅ---

τι δε-----δό-----^{π_q}ξα-----σται».

Ὡς μό-----νη τὸν ἄ-----χρο-----νον, Υἱ-----ὸν ἐν

χρο-----νω, τε-----χοῦ-----σα σαρ-----κὶ ἄ-----γνή, Πα-

να-----γί-----α ἄ-----χρα-----ντε, ^{π_q} πά-----ντα τὰ χρο-----νι---

α, ^A τῆς πα-----να-----θλί-----ας μου ψυ-----χῆς, πά-----θη

θε-----ρά-----^{π_q}πευ-----σον.

Τὰ τραύματα Πάναγνε, τὰ τῆς φυ-

--χῆς μου, καρδί--ας τὴν πώρω--σιν, λο--

--γι--σμοῦ τὴν σχό--τω--σιν, καὶ τοῦ νο--ὸς ἐκ--

--τρο--πάς, ἅ--φά--νι--σον ὡς συμπα--θής, ταῖς

σαῖς δε--ή--σε--σιν.

Τὸ φῶς ἡ κυ--ή--σα--σα, τὸν Λυ--τρω-

--τὴν μου, τοῦ σχό--τους με λύ--τρω--σαι, καὶ

βα--σά--νων, Ἄ--χρα--ντε, τῶν αἰ--ω--νί--ων

ἐ--χεῖ, ὅ--πως σω--ζό--με--νος ὑμ--νῶ, τὰ

με--γα--λεί--α σου.

No--ός μου Πα--νά--μω--με, τὰς ἁ--μαυ--

--ρώ--σεις, φω--τί σου ἁ--πέ--λα--σον, ἡ

τὸ φῶς κυ-----ή-----σα-----σα, καὶ δώ-----ρη--σαί μοι

ἀ-----γα-----θή, τὸ φῶς προσ--βλέ--φαι τὸ ἐκ σοῦ,

ἐ-----ξα-----να-----τεί-----λαν ἡ-----μῖν.

Κανὼν πρῶτος τοῦ Ἀποστόλου Ποίημα Ἰωάννου Μοναχοῦ

Ὡδὴ α' Ἦχος α' Σοῦ ἡ τρο-παι-οῦ-χος δε-ξι-ά

«Σοῦ ἡ τρο--παι-----οῦ-----χος δε-----ξι-----ά, θε-----ο-----

--πρε-----πῶς ἐν ἰ-----σχύ-----ῃ δε-----δό-----ξα--σται, αὖ-----

--τη γὰρ Ἀ-----θά-----να-----τε, ὡς παν--σθε--νής, ὑ-----

--πε-----να-----ντί-----ους ἔ-----θραυ--σε, τοῖς Ἰσ-----ρα-----η-----

--λί-----ταις, ὁ-----δὸν βυ--θοῦ και-νουρ--γή-----σα--σα».

Τὴν τε-----θο-----λω--μέ-----νην μου φυ-----χὴν, τῶν ἐν-----

--νοι-----ῶν τε καὶ λό-----γων ἐκ--χά-----θα-----ρον, τῇ

ἐν-----σκη--νω-----σά-----ση σοι κῆ-----ρυξ Χρι-----στοῦ, Ἄν-

δρέ---α θεί---α χά---ρι---τι, ὅ---πως κα---θα---

ρῶς σοι, προ---σά---ξω ὑμ---νον ἐ---πά---ξι---ον.

Τί---μι---ος ὁ Πρό---δρο---μος Χρι---στοῦ, τῶν ἐ---

---αυ---τοῦ Μα---θη---τῶν ἀ---χρο---θί---νι---ον, ὁ

ἐκ στει---ρευ---ού---σης σε βλα---στός, τῷ ἐκ Παρ---

---θέ---νου φύ---ντι Χρι---στῷ, τῷ δε---δο---ξα---σμέ---

---νω, Ἀν---δρέ---α χαί---ρων προ---σή---γα---γεν.

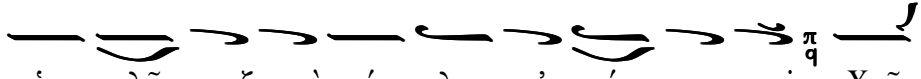
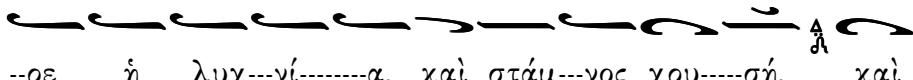
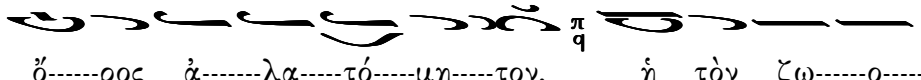
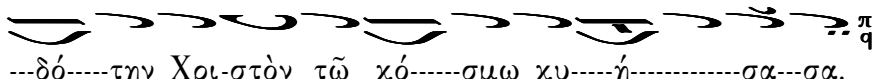
Ἐ---ρω---τι καὶ πό---θῳ ἀ---χλι---νεῖ, τῆς ἀ---

---ρε---τῆς τῶν βαθ---μί---δων ἀρ---ξά---με---νος, καὶ

τάς ἀ---να---βά---σεις ἀ---εἰ με---λε---τῶν, ἐξ

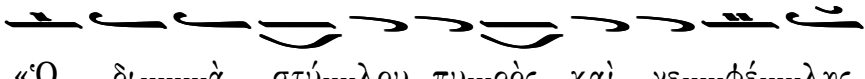
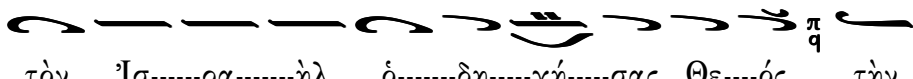
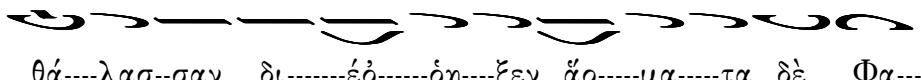
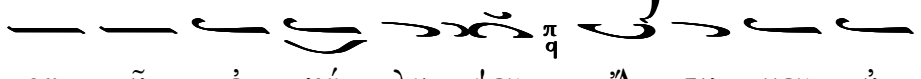
ἀ---μυ---δρᾶς δυ---νά---με---ως, πρὸς τὴν ἀ---χρο---

τά---την, Ἀν---δρέ---α δύ---να---μιν ἔφ---θα---σας.


 Χαῖ---ρε ἡ τῆς χά---ρι---τος πη---γή· Χαῖ---ρε

 ἡ κλι---μαξ καὶ πύ---λη οὐ---ρά---νι---ος· Χαῖ---

 --ρε ἡ λυχ---νί---α, καὶ στάμ---νος χρυ---σή, καὶ

 ὅ---ρος ἁ---λα---τό---μη---τον, ἡ τὸν ζω---ο---

 --δό---την Χρι-στὸν τῷ κό---σμῳ κυ---ή---σα-σα.

Κανὼν δεύτερος τοῦ Ἀποστόλου

Ὡδὴ α' Ἦχος α' Ὁ δι-ὰ στύ-λου πυ-ρὸς καὶ νε-φέ-λης


 «Ὁ δι-----ὰ στύ---λου πυ---ρὸς καὶ νε---φέ---λης,

 τὸν Ἰσ---ρα---ήλ ὁ---δη---γή---σας Θε---ός, τὴν

 θά---λασ-σαν δι-----έρρ---ρή---ξεν, ἄρ---μα---τα δὲ Φα---

 --ρα-----ῶ ἐ---κά---λυ---φεν, Ἄ---σω---μεν ὦ---

---δὴν ἐ---πι---νί---χι---ον, ὅ---τι δε---δό---

---ξα---σαι». ^{π_q}

Τῷ κα---λά---μω τοῦ Εὐ---α---γγε---λί---ου, ἐχ

τοῦ βυ---θοῦ τῆς πλα---νῆς ἀ---νελ---θῶν, Ἄν---δρέ--- ^{π_q}

---α πο---λυ---ῦμ---νη---τε, σὺ ἐ---ζώ---γρη---σας λα---

---ούς, ὡς ἐ---πη---γγεί---λα---το Χρι---στός, ὁ σα--- ^{π_q}

---γη---νεύ---ειν δι---δά---ξας σε, ἄν---θρώ---πους ^Α

ὡς ἰχ---θύ---ας ζω-γρεῖν. ^{π_q}

Ὁ τῆς πί---στε---ως στῦ---λος, ἡ ἑ---δρα τῶν

ἀ---λη---θι---νῶν δογ---μά---των τοῦ Χρι-στοῦ, Ἄν--- ^{π_q}

---δρέ---ας ὁ θε---ό---πνευ-στος, πά---ντα σή---με---ρον

κα---λεῖ, τῆς γῆς τὰ πέ---ρα---τα, ἐ---ορ--- ^{π_q}

τὴν ἐ-----τή-----σι-----ον συ---στή--σα--σθαι, συ-----νέλ-

---θω--μεν οὖν πά-----ντες πι---στοί.<sup>π
q</sup>